न. दिल्ली । मंगलवार । 24 जनवरी 20..

अमर उजाला

डासना जेल में बनी कंप्यूटराइज्ड लाइब्रेरी

नीरज गुप्ता

बुलंदशहर/गाजियाबाद। डासना जेल इतिहास बनाने जा रही है। हाई प्रोफाइल बंदियों के कारण चर्चित गाजियाबाद की इस जेल में देश की प्रमुख शैक्षणिक संस्था बिरला इंस्टीट्यूट ने अत्याधुनिक पुस्तकालय बनवाया है। 10 लाख रुपये से निर्मित इस कंप्यूटराइज्ड पुस्तकालय में देश-विदेश के प्रख्यात लेखकों की चार हजार से अधिक पुस्तकें हैं। जेल में बंदी अपनी रुचि की पुस्तकों की डिमांड कर बैरकों में मंगा सकेंगे। डासना जेल में प्रदेश की पहली आधुनिक कंप्यूटराइज्ड लाइब्रेरी होगी। फरवरी के पहले सप्ताह में यह शुरू होगी।

- देशी-विदेशी चार हजार पुस्तकें मिलीं, बिरला इंस्टीट्यूट ने बनवाया पुस्तकालय

ग्रेटर नोएडा की प्रमुख शिक्षण संस्थान बिरला इंस्टीट्यट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी (बिमटेक) के डायरेक्टर डॉ. हरवंश चतुर्वेदी एनजीओ रंगनाथन सोसायटी सोशल वेलफेयर एंड लाइब्रेरी के अध्यक्ष हैं। वे देश में 11 आधुनिक लाइब्रेरी का निर्माण करवा चुके हैं। सचिव डॉ. रिशी तिवारी ने गाजियाबाद की डासना जेल में सभी सुविधाओं से सुसज्जित लाइब्रेरी खोलने का प्रस्ताव जेल अधीक्षक डॉ. वीरेश राज को दिया।

जेल अधीक्षक ने बंदियों के लिए लाभकारी इस प्रस्ताव को स्वीकृत करते हुए स्थान मुहैया करा दिया। सचिव डॉ. तिवारी ने जेल में विजिट कर बंदियों से जानकारी कर सर्वे किया। इसके बाद आधुनिक फर्नीचर, दो कंप्यूटर, ऑन लाइन सॉफ्टवेयर, 20 अलमारियां, वाईफाई, प्रिंटर आदि से सुसज्जित कराया है। खास बात है कि लाइब्रेरी का सारा डाटा ऑनलाइन होगा।